भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 482
(जिसका उत्तर सोमवार 24 जुलाई, 2023/2 श्रावण, 1945 (शक) को दिया जाना है)

2000 रुपये मूल्यवर्ग के करेंसी नोटों को प्रचलन से वापस लेना

482. श्री सु. थिरुनवुक्करासर:
श्री राकेश सिंह:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
श्री दिनेश चन्द्र यादव:
श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन'
डा *सुभाष रामराव भामरे*:
श्रीमती मंजुलता मंडल:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्री रवनीत सिंह:
श्री संजय जाधव:
श्री ओम पवन राजेनिंबालकर:
डॉ. टी. आर. पारिवेन्धर:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में 2000 रुपये मूल्यवर्ग के नोटों को प्रचलन से वापस ले लिया है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं तथा इसके एक मुद्रा-नोट छापने की लागत कितनी है और प्रचलन में और बैंकों में जमा इन नोटों की कुल संख्या तथा तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार, विशेषकर पंजाब में प्रतिशत कितना है;

(ख) क्या 2000 रुपये के नोटों की शुरुआत और तत्श्चात् उनकी वापसी ने भारतीय मुद्रा की अखंडनीयता और स्थिरता के संबंध में संदेह पैदा कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) 2000 रुपये के नोट बदलने के मापदंड क्या हैं;

(घ) क्या सरकार बैंकों में 2000 रुपये के नोट बदलने की समय-सीमा को सितम्बर, 2023 से आगे बढ़ाने की मंशा रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार काले धन को समाप्त करने हेतु अन्य उच्च मूल्य वर्ग के मुद्रा नोटों को विमुद्रीकृत करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और काले धन तथा नकली मुद्रा पर अंकुश लगाने के लिए क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं;

(च) क्या सरकार का नोटों की कमी की पूर्ति के लिए अन्य मूल्यवर्ग के नोटों की आपूर्ति बढ़ाने अथवा 1,000 रुपये के मुद्रा-नोटों का प्रचलन फिर से शुरू करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(छ) क्या 50, 20 और 10 रुपये जैसे कम मूल्यवर्ग के नोटों के प्रचलन में कमी आई है, जिसके परिणामस्वरूप लोगों को भारी असुविधा हो रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन नोटों की छपाई कब तक शुरू होने की संभावना है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अधिनियम, 1934 की धारा 24(1) के तहत 10 नवंबर, 2016 को ₹2000 मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को शुरू किया गया था, ताकि उस समय प्रचलन में मौजूद सभी ₹500 और ₹1000 बैंक नोटों की वैध मुद्रा स्थिति को वापस लिए जाने के बाद अर्थव्यवस्था की मुद्रा जरूरत को शीघ्रता से पूरा किया जा सके। आरबीआई की दिनांक 19.05.2023 की प्रेस विज्ञप्ति (https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_PressReleaseDisplay.aspx?prid=55707) के माध्यम से, आरबीआई ने सूचित किया है कि ₹ 2000 मूल्यवर्ग के लगभग 89% नोट मार्च 2017 से पहले जारी किए गए थे जिनकी अवधि 4-5 वर्षों तक थी अब ये नोट अपनी उपयोगिता की अवधि के अंतिम चरण पर है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, ₹ 2000 मूल्यवर्ग के बैंक नोट अब लेनदेन के लिए पसंद नहीं किए जाते हैं। इसके अलावा, अन्य मूल्यवर्ग में बैंक नोटों का स्टॉक जनता की मुद्रा आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त बना हुआ है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए और आरबीआई की "स्वच्छ नोट नीति" के अनुसरण में, भारतीय रिजर्व बैंक ने ₹ 2000 मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने का निर्णय लिया।

आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट 2016-17 के अनुसार, जुलाई 2016-जून 2017 के दौरान प्रतिभूति मुद्रण पर कुल 7965 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

आरबीआई के अनुसार, 30.6.2023 तक, प्रचलन में ₹ 2000 मूल्यवर्ग के बैंक नोटों का मूल्य ₹ 0.84 लाख करोड़ है और प्रचलन में कुल बैंकनोटों में ₹ 2000 मूल्यवर्ग का प्रतिशत 2.51% है। 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट जमा करने के संबंध में आरबीआई द्वारा राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूचना संकलित नहीं की जा रही है।

(ख) जी नहीं,

(ग) ₹2000 के बैंक नोटों को वापस लेने की प्रक्रिया भारतीय रिजर्व बैंक की दिनांक 19.05.2023 की प्रेस विज्ञप्ति (ऊपर पैरा (क) में उल्लिखित) और भारतीय रिजर्व बैंक के दिनांक 19.05.2023 (https://www.rbi.org.in/Scripts/NotificationUser.aspx?Id=12505&Mode=0) और 22.05.2023 https://www.rbi.org.in/Scripts/NotificationUser.aspx?Id=12506 & Mode=0) के परिपत्रों के तहत सभी बैंकों को जारी किए गए अलग-अलग दिशानिर्देशों के अनुसार है।

(घ) इस समय यह मामला विचाराधीन नहीं है।

(ङ) जी, नहीं, महोदय।

(च) भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, वापसी एक मुद्रा प्रबंधन ऑपरेशन था जो जनता को किसी भी असुविधा या अर्थव्यवस्था में किसी भी व्यवधान से बचने के लिए योजनाबद्ध था। इसके अलावा, चालू वर्ष की आवश्यकता में ₹2000 के बैंकनोटों की वापसी को शामिल किया गया है और विनिमय/आहरण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देश भर में अन्य मूल्यवर्ग के बैंक नोटों का पर्याप्त बफर स्टॉक रखा जा रहा है।

(छ) भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार ₹10 और ₹20 मूल्यवर्ग की मुद्रा या तो बैंकनोटों या सिक्कों के रूप में उपलब्ध है। जहां तक ₹50 मूल्यवर्ग की मुद्रा का संबंध है, जनता के सदस्यों के उपयोग के लिए पर्याप्त मात्रा में बैंकनोट उपलब्ध हैं। इसलिए, मुद्रा की कोई कमी नहीं है।

*****